JTET Exam Portal (https://jtet.jacportal.in/)

झारखण्ड शिक्षक पात्रता परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम

विषय : भाषा – 2 (क्षेत्रीय भाषा) : कुरमाली

(परीक्षा–प्रयुक्त लिपि : देवनागरी)

प्राथमिक स्तर (कक्षा – 1 से 5 हेतु)	
क्र.	पाठ्य – वस्तु
1	भाषा–परिचय एवं भाषिक पहचान – कुरमाली का सामान्य परिचय, स्थानीय भाषिक परिवेश, दैनंदिन प्रयोग और सामान्य शब्दावली।
2	देवनागरी–आधारित प्रस्तुति, वर्ण, ध्वनि, उच्चारण और वर्तनी – स्वर–व्यंजन, ध्वनि–वर्ण संबंध, शुद्ध लेखन और मूल वर्तनी–नियम।
3	मूल व्याकरण – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, लिंग, वचन और कारक की प्रारंभिक पहचान तथा सरल प्रयोग।
4	शब्दभंडार एवं व्यवहारिक प्रयोग – परिवार, विद्यालय, प्रकृति, संख्या, समय, रंग तथा सामान्य क्रियाओं से संबंधित शब्दावली।
5	सरल वाक्य–विन्यास और संवाद – साधारण वाक्य, प्रश्नोत्तर, अभिवादन, आदेश, सूचना और लघु संवाद।
6	पठन–बोध – सरल गद्यांश, संवाद, चित्र–आधारित पाठ और लघु समझ–आधारित प्रश्न।
7	लेखन–कौशल – शब्द–लेखन, वाक्य–लेखन, चित्र–वर्णन, लघु अनुच्छेद, छोटा संदेश/पत्र।
8	लोक–साहित्य एवं संस्कृति – लोकगीत, लोककथा, कहावत, पहेली, पर्व–त्योहार और लोकजीवन का प्रारंभिक परिचय।
9	भाषा–शिक्षण प्रासंगिकता – श्रवण, वाचन, बोलना, लेखन तथा गतिविधि–आधारित प्राथमिक भाषा–अधिगम।
10	नई शिक्षा नीति 2020 के आलोक में मातृभाषा–आधारित प्रारंभिक अधिगम – कुरमाली भाषा में संवाद, गीत, कहानी और स्थानीय अनुभवों से सीखना।

Manilalson 14/03/26   14/03/2026   N. Rani 14·03·2026   14.03.26

Sarkari Diary

JAC Portal (https://www.jacportal.in/)

JTET Exam Portal (https://jtet.jacportal.in/)

झारखण्ड शिक्षक पात्रता परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम

विषय : भाषा – 2 (क्षेत्रीय भाषा) : कुरमाली

(परीक्षा-प्रयुक्त लिपि : देवनागरी)

उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा – 6 से 8 हेतु)	
क्र.	पाठ्य – वस्तु
1	भाषा एवं साहित्य का संक्षिप्त इतिहासधपरंपरा – कुरमाली भाषा की पृष्ठभूमि तथा साहित्यिक परंपरा का परिचयात्मक अवलोकन।
2	व्याकरण एवं वाक्य-विन्यास – शब्दभेद, लिंग, वचन, कारक, काल, वाच्य, उपसर्ग-प्रत्यय, समास, वाक्य-रचना और शुद्ध प्रयोग।
3	भाषा-विज्ञान / भाषिक संरचना का सामान्य परिचय – भाषा, बोली, ध्वनि, पद, वाक्य, अर्थ, लिपि और भाषा-विज्ञान की आधारभूत अवधारणाएँ।
4	पठन-बोध, भावार्थ और अपठित पाठ – अपठित गद्य/पद्य, सार, भावार्थ, आशय और संदर्भ-आधारित प्रश्न।
5	रचनात्मक एवं व्यवहारिक लेखन – अनुच्छेद, निबंध, पत्र, आवेदन, संवाद, विवरणात्मक लेखन और प्रारूपण।
6	शब्दसम्पदा, लोकोक्ति, मुहावरा, प्रयोग एवं भाषा-शुद्धि – शब्दार्थ, व्यवहारिक प्रयोग, लोकोक्ति, मुहावरे और शुद्ध-अशुद्ध वाक्य।
7	लोक-साहित्य का विस्तृत अवलोकन – लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा, लोकनाट्य, लोकनृत्य, पहेली और कहावतें।
8	साहित्यिक रूपों का परिचय – कविता, कहानी, नाटक, निबंध, नयी विधाएँ, उपन्यास और काव्य के विविध रूप।
9	झारखण्डी सांस्कृतिक-सामाजिक संदर्भ – कला-संस्कृति, नृत्य-गीत, आभूषण, कृषि, पाक-कला, औषधीय ज्ञान तथा भारतीय-आदिवासी साहित्यिक अंतर्संबंध।
10	भाषा-शिक्षण प्रासंगिकता – त्रुटि-संशोधन, पाठ-आधारित शिक्षण, गतिविधि-आधारित अधिगम और बहुभाषिक कक्षा-सेतु।
11	नई शिक्षा नीति 2020 के आलोक में बहुभाषिक कक्षा, द्विभाषिक सामग्री और स्थानीय/क्षेत्रीय ज्ञान पर आधारित कुरमाली भाषा-शिक्षण।

Manilalsa 14/03/26   14/03/2026   N. Rani 14.03.2026   14.03.26

Sarkari Diary

JAC Portal (https://www.jacportal.in/)